Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा- नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौं, दस

उपविषय - 'वाक्य परिवर्तन' (रचना के आधार पर)

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 212 पर दिए 'वाक्य के अंग व संरचना' पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज हम वाक्य, वाक्य के अंग एवं रचना के आधार पर वाक्य के भेद समझेंगे इसलिए आप सभी अपने पास अपनी-अपनी पुस्तक तथा उत्तर-पुस्तिका रख लें क्योंकि विषय पर चर्चा करते-करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे जिनके उत्तर आप विषय को समझ कर ही दे पाएँगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! सबसे पहले हम वाक्य के बारे में जानेंगे। मैं नीचे कुछ शब्द लिख रही हूँ।

भाई ने, प्रतियोगिता में, भाग लिया, मोहन के, चित्रकला, छोटे।

इन शब्दों को मैं तीन प्रकार के वाक्य में प्रयोग करूँगी।

(i) भाग लिया मोहन छोटे ने भाई के प्रतियोगिता में चित्रकला।
(ii) मोहन छोटे के भाई ने चित्रकला में प्रतियोगिता लिया भाग।
(iii) मोहन के छोटे भाई ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।

क्रमांक (i) तथा (ii) में शब्दों के प्रयोग को वाक्य नहीं कहा जा सकता। क्रमांक (iii) में शब्दों का प्रयोग वाक्य कहा जा

सकता है क्योंकि इसमें सभी शब्दों को व्याकरणिक नियमों के अनुसार व्यवस्थित ढंग से रखा गया है।

* वाक्य की परिभाषा

शब्दों का सार्थक समूह, जिसका प्रयोग व्याकरणिक नियमों के अनुसार व्यवस्थित ढंग से किया गया हो तथा जो अपना अर्थ स्पष्ट करने में समर्थ हो, वाक्य कहलाता है।

* वाक्य के अंग

वाक्य के दो अंग होते हैं :-

(क) उद्देश्य (ख) विधेय

(क) उद्देश्य - वाक्य में जिस वस्तु, व्यक्ति आदि के विषय में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे :-

(i) सुभाषचंद्र बोस ने आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया।
(ii) हमारी कक्षा के कुछ लड़के पार्क में खेल रहे हैं।

उपर्युक्त पहली उदाहरण में 'सुभाषचंद्र बोस ने' — उद्देश्य है एवं दूसरे वाक्य में 'हमारी कक्षा के कुछ लड़के' — उद्देश्य हैं। उद्देश्य में कर्ता की विशेषता बताने वाले शब्दों को भी सम्मिलित किया जाता है।

(ख) विधेय - वाक्य के उद्देश्य के विषय में जो कहा जाए, वह 'विधेय' कहलाता है। जैसे :-

(i) सुभाषचंद्र बोस ने आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया।
(ii) हमारी कक्षा के कुछ लड़के पार्क में खेल रहे हैं।

उपर्युक्त पहली उदाहरण में 'आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया' — विधेय है एवं दूसरे वाक्य में 'पार्क में खेल रहे हैं' — विधेय है। विधेय में कर्म, कर्म का विस्तार, क्रिया, क्रिया का विस्तार आदि सम्मिलित किए जाते हैं।

* वाक्य के भेद

वाक्य के भेद दो आधारों पर किए जाते हैं :-

(क) अर्थ के आधार पर (ख) रचना के आधार पर

बच्चो! अर्थ के आधार वाक्य के आठ भेदों को आपने अपनी पिछली कक्षा में किया था। अत: पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी

प्राप्त करेंगे।

(ख) रचना के आधार पर वाक्य-भेद

रचना के आधार पर वाक्यों को तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है :-

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य (iii) मिश्रित वाक्य।

आइए, इन्हें विस्तार से जानते हैं :-

(i) सरल वाक्य - सरल वाक्य में केवल एक ही विधेय होता है। सरल वाक्य की मुख्य विशेषता है एक ही विधेय का होना। इसमें उद्देश्य एक या एक से अधिक भी हो सकते हैं। कभी-कभी उद्देश्य के अभाव में भी सरल वाक्य की स्थिति रहती है और वाक्य पूर्ण अर्थ प्रकट करता है। नीचे सभी प्रकार के कुछ उदाहरण दिए गए हैं :-

1. मोहन कक्षा में पढ़ता है। (एक विधेय, एक उद्देश्य)
2. सार्थक परी तथा श्रेया कक्षा एक में पढ़ते हैं। (एक विधेय, तीन उद्देश्य)
3. अब जाओ! (उद्देश्य का अभाव है परन्तु अर्थ पूर्ण है)

बच्चो! आगे बढ़ने से पहले मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछना चाहती हूँ। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के लिए अपनी ऑडियो को रोककर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. वाक्य की परिभाषा लिखिए।

प्रश्न 2. वाक्य के कितने अंग हैं? उनके नाम लिखिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय अलग करके लिखिए :-

(क) रमेश के छोटे भाई ने एक सुन्दर चित्र बनाया।

(ख) एक छोटा बालक खिलौने से खेल रहा है।

प्रश्न 4. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं? उनके नाम लिखिए।

बच्चो! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दिया गया समय अब समाप्त हो चुका है। आशा है कि आपने पूछे

गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। उनके उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. शब्दों का सार्थक समूह, जिसका प्रयोग व्याकरणिक नियमों के अनुसार व्यवस्थित ढंग से किया गया हो तथा जो अपना अर्थ स्पष्ट करने में समर्थ हो, वाक्य कहलाता है।

उत्तर 2. वाक्य के दो अंग हैं :- (क) उद्देश्य (ख) विधेय।

उत्तर 3. निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय अलग करके लिखिए :-

(क) रमेश के छोटे भाई ने — उद्देश्य
एक सुन्दर चित्र बनाया — विधेय

(ख) एक छोटा बालक — उद्देश्य
खिलौने से खेल रहा है — विधेय।

उत्तर 4. रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं :-
(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्रित वाक्य।

बच्चो! अब विषय को आगे बढ़ाते हुए रचना के आधार पर वाक्य के दूसरे भेद को समझने का प्रयास करते हैं।

(ii) संयुक्त वाक्य - इसमें दो या दो से अधिक उपवाक्य किसी समुच्चयबोधक अव्यय (योजक) द्वारा जुड़े होते हैं। ये वाक्य एक दूसरे के पूरक तो होते हैं पर आश्रित नहीं होते। दोनों ही प्रधान वाक्य होते हैं।

उदाहरण :- 1. हम लोग घूमने गए और वहाँ चार दिन रहे।
2. मेरा भाई बीमार है इसलिए हम अस्पताल जा रहे हैं।

संयुक्त वाक्य स्वतन्त्र रूप से और, परन्तु, किन्तु, तथा, या, इसलिए, अतः, अन्यथा, एवं आदि समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े होते हैं।

(iii) मिश्रित वाक्य - मिश्रित वाक्य में भी एक से अधिक उपवाक्य होते हैं पर इनमें एक उपवाक्य मुख्य या प्रधान उपवाक्य होता है तथा शेष उपवाक्य पर आश्रित उपवाक्य होते हैं। मिश्र वाक्य के उपवाक्य व्यधिकरण समुच्चयबोधक द्वारा जुड़े होते हैं। जैसे :-

1. जैसे ही प्रधानाचार्य कक्षा में आए, सब विद्यार्थी शांत हो गए।
2. मैंने देखा कि बाज़ार में चहल-पहल है।

दूसरी उदाहरण में दो उपवाक्य हैं। 1. मैंने देखा 2. बाज़ार में चहल-पहल है। ये दोनों उपवाक्य 'कि' व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जुड़े हैं। इन वाक्यों में 'मैंने देखा' प्रधान (स्वतंत्र) उपवाक्य है और 'बाज़ार में चहल-पहल है' आश्रित उपवाक्य है।

मिश्रित वाक्य के उपवाक्य प्राय: कि, जो, जहाँ, जब, जिसने यद्यपि, जैसे, क्योंकि आदि व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े होते हैं।

* संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य की पहचान कैसे करें :-
- संयुक्त वाक्य में सभी उपवाक्य स्वतन्त्र होते हैं।
- संयुक्त वाक्य के सभी उपवाक्य और, तथा, परन्तु किंतु, लेकिन, अथवा, या, अत:, इसलिए जैसे समुच्चयबोधक से जुड़े होते हैं।
- मिश्रित वाक्य में एक उपवाक्य मुख्य होता है और शेष वाक्य उस पर आश्रित होते हैं।
- मिश्रित वाक्य में आश्रित उपवाक्य कि, क्योंकि, जहाँ, जैसे, जब, यद्यपि, जो, जिसने जैसे समुच्चयबोधकों से जुड़े होते हैं।

बच्चो! आशा है कि आपने रचना के आधार पर वाक्य के तीनों भेदों को अच्छे ढंग से समझ लिया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। इस कार्य को आप अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी-अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 216 एवं 217 पर दिए अभ्यास के प्रश्न-1 एवं प्रश्न-3 को करेंगे। यह कार्य सभी छात्र विषय को पूर्ण रूप से समझकर ही करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]